हिंदी (लोकवाणी)

अभ्यास के लिए कृतिपत्रिका 2 के उत्तर

प्र. 1. (अ)

(1)

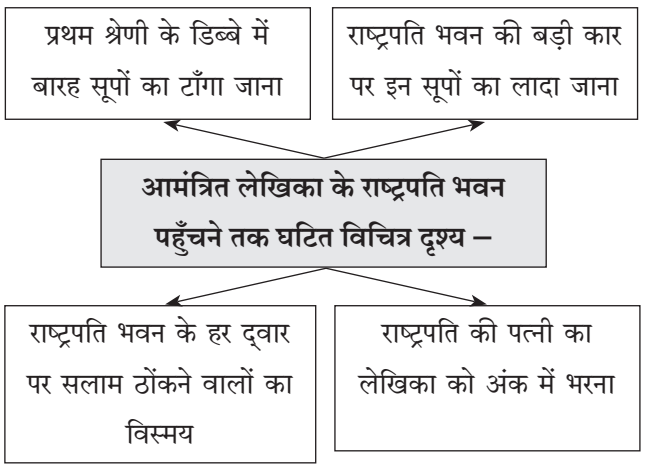

(2) (i) स्वामिनी – स्वामी (ii) डिब्बा – डिबिया
(iii) पति – पत्नी (iv) बालिकाओं – बालकों।

(3) 'सादा जीवन उच्च विचार' हमारे देश के मनीषियों, सद्‌पुरुषों, ऋषियों-मुनियों और साधु-संतों के जीवन का मूल उद्‌देश्य था। वे जीवित रहने की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाने भर से संतुष्ट रहते थे, पर ज्ञान, विज्ञान, साहित्य के क्षेत्र में उनके द्‌वारा किए गए कार्य आज भी लोगों को प्रेरणा दे रहे हैं। अणु की खोज करने वाले कणादि ऋषि संन्यासी की भाँति अपना जीवन जीते थे। 'रामचरित मानस' के रचयिता तुलसीदास राम की भक्ति में डूबे हुए भक्त की तरह जीवन जीते थे। कबीर, सूरदास, रामदास, रैदास, ज्ञानेश्वर, तुकाराम, एकनाथ, गाडगे महाराज, महात्मा गांधी, बिनोबा भावे जैसे महापुरुषों का जीवन अत्यंत सादा था, पर उन्होंने अपने विचारों से समूची मानवजाति को उद्‌वेलित कर दिया। 'सादा जीवन उच्च विचार' प्राचीन काल से भारतीय दर्शन और हमारी जीवन पद्‌धति रहा है।

प्र. 1. (आ)

(1)

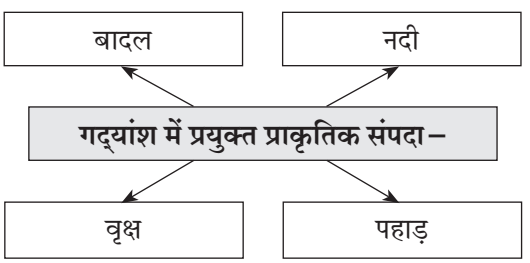

(2) (i) बादल = जलद (ii) नदी = तटिनी
(iii) पहाड़ = गिरि (iv) वृक्ष = तरु।

(3) गद्यांश में वृक्षों के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया है। वृक्षविहीन क्षेत्रों में वर्षा कम होती है। बरसात होने पर वृक्ष न होने के कारण पानी तेजी से बह जाता है और अपने साथ मिट्टी की ऊपरी उपजाऊ परत भी बहा ले जाता है। इससे मिट्टी के कटाव के साथ-साथ बाढ़ आने का खतरा भी बढ़ जाता है। मैंने प्रण किया है कि अपने व अपने परिवार के सभी सदस्यों के जन्मदिन पर एक-एक वृक्ष अवश्य लगाऊँगा। उन वृक्षों की देखभाल करूँगा। मैं अपने सभी साथियों और संबंधियों को भी शुभ अवसरों पर वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करूँगा। साथ ही मैंने अपने प्राचार्य जी की अनुमति से एक वृक्षारोपण कार्यक्रम की योजना बनाई है, जिसमें हमारी कक्षा के सभी छात्र और छात्राएँ लोगों को वृक्षों के महत्त्व के विषय में बताएँगे।

प्र. 2. (अ)

(1)

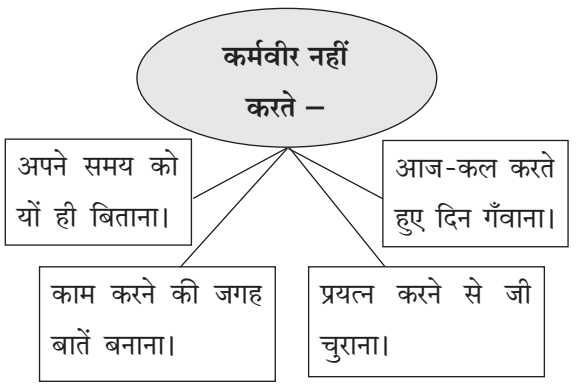

(2) कर्मवीर समय का हमेशा सदुपयोग करते हैं। वे अपने समय को व्यर्थ नहीं गँवाते। वे काम के समय काम करते हैं। वहाँ व्यर्थ की बातें करके काम में विलंब करने की कोशिश नहीं करते। वे किसी काम को करने में 'आज-कल' करते हुए दिन बर्बाद नहीं करते। काम कैसा भी हो, वे उसे कर दिखाने का प्रयत्न करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं।

प्र. 2. (आ)

(1) श्री कृष्ण की महिमा का निरंतर गायन करने वाले –

(i) शेषनाग

(ii) गणेश जी

(iii) महेश (शिव जी)

(iv) दिनेश (सूर्य)

(2) श्री कृष्ण के सिर पर मोर के पंखों का मुकुट जैसा शोभायमान है वैसी ही सुंदर उनकी पगड़ी लग रही है। कृष्ण के मस्तक पर गोरज अर्थात गाय के चलने से उड़ने वाली धूल विराजमान है। उतनी ही सुंदर उनके हृदय पर पड़ी वन के फूलों की माला लग रही है। श्री कृष्ण का ऐसा मोहक रूप देखकर ग्वालिन मानो बौरा गई है। वह आँखें मूँदकर हँसते हुए अपनी सखियों को पुकारती है। जब सखी घूँघट खोलने के लिए कहती है तो ग्वालिन यह कहकर घूँघट खोलने से मना कर देती है कि मेरे नेत्रों में श्याम की मनमोहक मूर्ति बसी हुई है, घूँघट खोलूँगी तो वह सुंदर मूर्ति नेत्रों से ओझल हो जाएगी, अतः मैं घूँघट नहीं खोलूँगी।

प्र. 3. (1) (i) वेशभूषा।

(ii) मस्तिष्क।

(2) (i) **कभी :** ऐसी भेंट लेकर कोई अतिथि कभी वहाँ नहीं पहुँचा था। ***अथवा***

(ii) **के साथ :** लेखिका एक दर्जन सूप के साथ प्रथम श्रेणी के डिब्बे में यात्रा कर रही थीं।

(3)

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दुर्भाग्य	दुः + भाग्य	विसर्ग संधि

अथवा

परमानंद	परम + आनंद	स्वर संधि

(4) (i) दाल में कुछ काला होना।

वाक्य : तनय आजकल किसी से बात ही नहीं करता। अवश्य दाल में कुछ काला है।

अथवा

(ii) (1) बनना ठनना।

अर्थ : बनाव शृंगार करना।

वाक्य : युवक-युवतियों को बनने-ठनने का बड़ा शौक होता है।

(2) उल्लू बनाना।

अर्थ : मूर्ख बनाना।

वाक्य : आजकल कुछ लोग साधु के वेश में पढ़े-लिखे लोगों को भी उल्लू बना देते हैं।

(5) (i) पूर्ण वर्तमानकाल।

(ii) (1) बालिकाओं की दादी लेखिका को दिल्ली जाने का निमंत्रण देती हैं।

(2) खोया आदमी उस गाँव में रहने के लिए तैयार हो गया था।

(6) (i) संयुक्त वाक्य।

(ii) हाय! हमारा गाँव बाढ़ का शिकार हुआ है।

प्र. 4. (अ) तथा **(आ)**

उपयोजित लेखन की कृतियों के स्व-मूल्यमापन संबंधी

उपयोजित लेखन के प्रश्नों को हल करते हुए विद्यार्थियों को अपने विचार, अपनी भाषा में लिखने होते हैं। ये प्रश्न मुक्तोत्तरी प्रकार के प्रश्न हैं। इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं लिखें।

नमूना कृतिपत्रिका में दिए गए ऐसे प्रश्नों के उत्तर अंक योजना को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी स्वयं चेक करें और अपने द्वारा लिखे गए उत्तरों को जाँचें। आवश्यकता हो तो विद्यार्थी अपने विषय शिक्षक की सहायता लें।

उपयोजित लेखन के अधिक अभ्यास हेतु '**नवनीत हिंदी (LL) उपयोजित लेखन : कक्षा दसवीं**' में दिए गए उपयोजित लेखन के नमूनों का अध्ययन अवश्य करें।